

ये माया तेरी

ये माया तेरी, अजब निराली भगवान,
बड़े-बड़े ऋषियों को लूटा, शूर वीर बलवान,

हाड माँस का बना पूतला, ऊपर चढा है चाम,
देख-देख सब लोग रिझावे, केवल रूप ओर नाम,

हाथ पैर इनके नहीं दीखे, फिर भी करे सब काम,
आँख कान रसना नहीं इनके, फिर भी है सब ज्ञान,

करते है उपदेश ओरा को, भूल गया निज खाम,
ओरो की उलझन में फसकर, अपना काम तमाम,

आ माया है जगत डाकणी, नहीं करती विश्राम,
सदानन्द निज रूप को जानो, मिथ्या जगत तमाम,

रचनाकार:-स्वामी सदानन्द जोधपुर
M.9460282429

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14439/title/ye-maya-teri>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |